विषयानुक्रम

प्रथम अध्याय –	**सन्त कबीर एवं अनुरागसागर**	**10**
	(क) अनुरागसागर की प्रामाणिकता	**14**
	(ख) अनुरागसागर का प्रतिपाद्य	**27**
	(ग) अनुरागसागर का अधिकारी	**28**
द्वितीय अध्याय –	**चेतना का रूप–स्वरूप**	**40**
	(क) धर्म एवं चेतना – अन्तः सम्बन्ध	**42**
	(ख) अनुरागसागर एवं निज–चेतना	**77**
तृतीय अध्याय –	**सृष्टिपूर्व में चेतना एवं सृष्टि**	**87**
	(1) चेतना रूपान्तरण	**91**
	(क) पुहुपद्वीप	**91**
	(ख) अट्ठासी द्वीप एवं षोडश पुत्र	**92**
	(2) काल भक्ति एवं सृष्टि	**94**
	(क) सिन्धु मन्थन एवं देवत्रयी चेतना	**101**
	(ख) कला चेतना	**103**
चतुर्थ अध्याय –	**चेतना विविध युगों में**	**108**
	(क) सतयुग में निज चेतना	**108**
	(ख) त्रेतायुग में निज चेतना	**112**
	(ग) द्वापर युग में निज चेतना	**119**
	(घ) कलियुग में निज चेतना	**129**
	(ङ) जम्बूद्वीप का चेतना वैशिष्ट्य	**141**
पंचम अध्याय –	**प्रज्ञात्मक चेतना**	**147**
	(क) सद्गुरु महिमा एवं गुरुचतुष्टय	**147**
	(ख) काल के द्वादश पंथों की चेतना	**156**
	(ग) चेतना–प्रसारक ब्यालीस वंश	**160**
	(घ) नादवंश या नादचेतना एवं बिन्द पुत्र	**164**
	(ङ) आरती का भाव, नामदान एवं नाम–प्रताप	**166**
	(च) शब्द–चेतना एवं प्रकाश–चेतना	**173**
	(छ) सत्य या सत्तलोक एवं चेतना–लय	**181**
	उपसंहार	**200**
	संदर्भ–ग्रन्थ सूची	**210**